

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

(Established vide Gujarat Act No.24/2015)

P.G. COURSES IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

(Courses: M.A.Semester 1 to IV)

June 2019 Onwards

हिन्दी विषय के अनुस्नातक कक्षा के छात्रों के लिए जून २०१९ से
क्रमशः एम.ए.प्रथम सत्र से चतुर्थ सत्र तक का चोइस बेइझ क्रेडिट

(CBCS)सिस्टम के अनुरूप पाठ्यक्रम

BY

BOARD OF STUDIES – HINDI

Dr. Suresh B. Patel

Dr. J. L .Patel

पेपर कोड	SEMESTER – I	पेपर	क्रेडिट्स
HIN401	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास	1	4
HIN402	सैद्धांतिक भाषा विज्ञान	2	4
HIN403	भारतीय काव्य शास्त्र	3	4
HIN404	लोक - जागरण कालीन साहित्य (पद्य)	4	4
HIN405	भारतीय साहित्य	5	4
HIN406 S	SEMINAR	6	4

पेपर कोड	SEMESTER – II	पेपर	क्रेडिट्स
HIN407	हिन्दी भाषा: स्वरूप और विकास	7	4
HIN408	काव्यशास्त्र (समीक्षा संबंधी विवेध वाद)	8	4
HIN409	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास	9	4
HIN410EA	स्वरूप आधारित हिन्दी गद्य स्वरूप (लघु उपन्यास)	10	4
	अथवा		
HIN410EB	युग आधारित हिन्दी गद्य (प्रगतिवादी कथा साहित्य)	10	4
HIN411EA	स्वरूप आधारित हिन्दी पद्य - (खंड काव्य)	11	4
	अथवा		
HIN411EB	युग आधारित हिन्दी पद्य - (प्रगतिवादी कविता)	11	4
HIN 412	SEMINAR	12	4

पेपर कोड	SEMESTER – III	पेपर	क्रेडिट्स
HIN501	हिन्दीतर प्रांतों का हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं रचना (गुजराती)	13	4
HIN502	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	14	4
HIN503	प्रयोजन मूलक हिन्दी	15	4
HIN504EA	दलित विमर्श	16	4
	अथवा		
HIN504EB	महिला लेखन	16	4
HIN505EA	तुलनात्मक साहित्य	17	4
	अथवा		
HIN505EB	हिन्दी का आदिवासी साहित्य	17	4
HIN 506 S	SEMINAR	18	4

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY – M.A. HINDI SEM : I – III

पेपर कोड	SEMESTER – IV	पेपर	क्रेडिट्स
HIN507	हिन्दी भाषा प्रशिक्षण एवं कोश विज्ञान	19	4
HIN508	शोध-प्रविधि	20	4
HIN509	अनुवाद अध्ययन	21	4
HIN510	विशिष्ट साहित्यकार – (सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला)	22	4
HIN511	हिन्दी रंगमंच	23	4
HIN512 PT	प्रोजेक्ट वर्क	24	4

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY – M,A. HINDI SEM : IV

अंक विभाजन : आन्तरिक परीक्षा 30 + बाह्य परीक्षा 70 = कुल 100 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन (बाह्य परीक्षा)

प्रश्न क्रम	प्रश्न का प्रकार	अंक	कुल अंक
1	आलोचनात्मक प्रश्न अथवा आलोचनात्मक प्रश्न	14 × 01	14
2	आलोचनात्मक प्रश्न अथवा आलोचनात्मक प्रश्न	14 × 01	14
3	आलोचनात्मक प्रश्न अथवा आलोचनात्मक प्रश्न	14 × 01	14
4	टिप्पणी मूलक/व्याख्यात्मक प्रश्न	06 × 03	18
5	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01 × 10	10
	कुल अंक	-----	70

SEMESTER - I

HIN401 - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable the students

1. To understand Hindi Literature in the historical perspective.
2. They will know the importance and tradition of History writing in Hindi Literature
3. Literature is closely associated with society. Literature reflects the social systems prevailing in society. This course will help the students to understand the social systems prevailing in the society.

B - Outcome of the Course

1. Develop the skill of gathering information in a scientific manner.
2. Develop right perspective towards society.

यूनिट - 1 - हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन के आधार - स्रोत

-इतिहास अर्थ एवं स्वरूप

- हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा और उसके आधार

-काल विभाजन एवं नामकरण

यूनिट - 2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

- नई कविता* ऐतिहासिक आधार
- नई कविता में प्रयोग और प्रतिमान
- सामयिक परिवेश और नई कविता

(*नई कविता की पूर्व भूमिका के रूप में प्रयोगवाद की चर्चा करें)

यूनिट - 3 साठोत्तरी हिन्दी कविता

- कुछ प्रमुख काव्य आंदोलन और साठोत्तरी कविता
- साठोत्तरी कविता की विशेषताएँ

यूनिट - 4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं एकांकी - पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ*

- हिन्दी के महत्वपूर्ण प्रयोगशील नाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी के महत्वपूर्ण काव्यनाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी के महत्वपूर्ण एकांकी नाटक एवं नाटककार तथा प्रवृत्तियाँ

1. नई कविता. डॉ.कांतिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी,भोपाल
2. नया काव्य नए मूल्य, ललित शुक्ल, मैकमिलन , दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. नई कविता की नाट्यमुखी भूमिका, डॉ. हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. इतिहास और आलोचना डॉ.नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं-डॉ नगेन्द्र,

HIN402 - सैद्धांतिक भाषा विज्ञान (4- क्रेडिट्स)

A - Objectives

This Course will enable the students towards-

- 1-Basic understanding of formation of Language
- 2- To understand the basic reasons behind the behavior of society.
- 3-To understand the cultural difference in society

B - Outcome of the Course

- 1-To express thoughts in proper words
- 2-Scientific attitude

यूनिट - 1 भाषा और भाषा विज्ञान

- भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण , भाषा के तीन पक्ष
- भाषा परिवर्तन: कारण एवं दिशाएं
- भाषा विज्ञान: उपयोगिता एवं प्रमुख शाखाएं

यूनिट - 2 स्वन प्रक्रिया

- वागवयव और उनके कार्य
- स्वन और उनका वर्गीकरण
- स्वनिक परिवर्तन
- स्वनिम की अवधारणा एवं भेद

यूनिट - 3 रूप प्रक्रिया

- शब्द एवं पद

- रूपिम की अवधारणा, रूपिम के भेद: संबंधदर्शी, अर्थदर्शी, मुक्त एवं बद्ध
- रूप परिवर्तन: कारण एवं दिशाएं

यूनिट - 4 वाक्यविज्ञान

- वाक्य की अवधारणा, अनिवार्य तत्व, वाक्य में पदविन्यास के आवश्यक गुण
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के कारण

संदर्भ ग्रंथ 1- भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

2 - नवीन भाषा विज्ञान, तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

3 - भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

HIN 403 – भारतीय काव्य शास्त्र (4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable students

1. To develop analytical quality of mind.
2. Knowledge of the critical traditions in languages.
3. Knowing the Indian and Western Critical Thoughts and Aesthetics.

B - Outcome

1. Analytical and composed mindset
2. Correct and wise usage of expression

यूनिट - 1

1. काव्य शास्त्र का महत्व एवं उपादेयता
2. हिन्दी काव्य-शास्त्र की विकासरेखा एवं लक्षण
3. संस्कृत काव्यशास्त्र की विकास रेखा एवं लक्षण

यूनिट - 2

रस सिद्धांत : रस विचार की परंपरा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप , वक्रोक्ति के भेद,

यूनिट - 3

ध्वनि सिद्धांत: ध्वनि का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की स्थापनाएं, ध्वनि के भेद,

रीति सिद्धांत : रीति का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं

अलंकार सिद्धांत: अलंकार का अर्थ, परिभाषा, लक्षण एवं स्वरूप, काव्य में अलंकारों का महत्व,

यूनिट-4

औचित्य सिद्धांत : औचित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, औचित्य के भेद, औचित्य सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं

हिन्दी आलोचना एवं उसकी प्रमुख प्रवृत्तियां, हिन्दी समीक्षा एवं समीक्षक ,

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय काव्य सिद्धांत, संपादक डॉ. नगेन्द्र, डॉ. तारकनाथ बाली, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन, निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय
2. हिन्दी काव्य शास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उसकी विकास परंपरा, डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. रस सिद्धांत और सौन्दर्य शास्त्र, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अभिनव का रस विवेचन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. हिन्दी काव्यशास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उनकी विकास परंपरा, डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
7. चिंतामणी-1, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

HIN 404 - लोक - जागरण कालीन साहित्य (पद्य) (4 क्रेडीट्स)

A - Objectives

This Course will help the students to

1. Learn different forms, languages, and traditions of poetry.
2. Knowledge of the basic unity in Indian thought tradition.
3. Understanding Indian people and their traditions.

B - Outcome

1. Inculcation of values of Compassion, Forgiveness and Equality.

यूनिट - 1

- मध्यकाल की विभिन्न धर्म-साधनाएँ

➤ मध्यकाल में भक्ति का स्वरूप

➤ भक्ति एवं लोक-जागरण

यूनिट - 2

➤ सगुण एवं निर्गुण भक्ति

➤ हिन्दी राम भक्ति कविता का परिचय एवं विशेषताएँ

➤ मराठी निर्गुण भक्ति का परिचय एवं विशेषताएं

यूनिट - 3

➤ तुलसीदास का संक्षिप्त परिचय

➤ कवितावली का अध्ययन (अयोध्या कांड, अरण्यकांड एवं किष्किंधाकांड)(गीता प्रेस गोरखपुर की पुस्तक)

➤ रामभक्ति काव्य में तुलसी का महत्व

यूनिट - 4

➤ संत ज्ञानेश्वर का संक्षिप्त परिचय

➤ ज्ञानेश्वरी का अध्ययन कुल 35 ओवी)

➤ मराठी संत काव्य में ज्ञानेश्वर का महत्व

पाठ्य एवं संदर्भ ग्रंथ

➤ कवितावली , गीता प्रेस गोरखपुर

➤ ज्ञानेश्वरी , साहित्य अकादमी, दिल्ली का प्रकाशन

➤ कवितावली, टीकाकार लाला भगवानदीन दीन, विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्रकाशन - रामनारायण बेनीप्रसाद इलाहबाद

➤ ज्ञानदेव, (मराठी संत कवि) पुरुषोत्तम यशवंत देशपांडे, अनुवाद- गिरिधर राठी

HIN 405 - भारतीय साहित्य

A - Objectives

This course will encourage the students to

1. Understand Indian Ethos and culture
2. Gain knowledge of different Indian cultures and
3. Gain knowledge of traditions in different Literatures

B - Outcome

1. Value of Nationalism and Brotherhood

यूनिट - 1 भारतीय साहित्य : अवधारणा ,स्वरूप तथा अध्ययन की समस्याएं

यूनिट - 2 हयवदन - गिरीश कर्नाड

हयवदन नाटक का कथासार, हयवदन नाटक की आधुनिकता, हयवदन नाटक के पात्रों का चरित्रांकन ,
नाट्यकला के आधार पर हयवदन नाटक का मूल्यांकन

यूनिट - 3 अग्निगर्भ -महाश्वेतादेवी

अग्निगर्भ उपन्यास का कथ्य, अग्निगर्भ उपन्यास का परिवेश, अग्निगर्भ उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन ,
उपन्यास कला के आधार पर अग्निगर्भ उपन्यास का का मूल्यांकन

यूनिट - 4 हयवदन नाटक में व्यक्त समस्याएं , अग्निगर्भ उपन्यास में व्यक्त समस्याएं

पाठ्य-पुस्तक एवं संदर्भ ग्रंथ

- 1.हयवदन-गिरीश कर्नाड पोप्युलर प्रकाशन,मुंबई
- 2.अग्निगर्भ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- 3.भारतीय साहित्य, डॉ राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- 4.भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र,, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

HIN406S - (SEMINAR)

A - Objectives and Outcome

This Course will help the students to

1. To encourage students to develop writing and speaking skills.
- 2.

यूनिट 1 1.हिन्दी निबंध उदभव और विकास 2. हिन्दी निबंधों के प्रकार

यूनिट 2 1. अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी 2. लोभ और प्रीति – आ.रामचन्द्र शुक्ल

यूनिट 3 1 ठिठुरता हुआ गणतंत्र – हरिशंकर परसाई 2.योग्यता और व्यवसाय का चुनाव - माधव राव सप्रे

यूनिट 4 1.जमुना के तीरे तीरे- विद्यानिवास मिश्र 2. गेहूँ और गुलाब रामवृक्ष बेनीपुरी

यूनिट 5 1. विज्ञापन युग - मोहन राकेश 2 भोग और भोगा जाना-प्रभा खेतान

विशेष सूचना : उपरोक्त यूनिट्स के प्रत्येक में से एक निबंध पर अध्ययन करना आवश्यक है। कुल शब्द संख्या 3000 – 5000 शब्दों की रहेगी। प्रत्येक यूनिट के संदर्भ में 1000 शब्दों की सामग्री आप दे सकते हैं। निबंध अलग अलग पुस्तकों में हैं। विद्यार्थी इन्हें पुस्तकालय से प्राप्त करेंगे। इससे पुस्तकालय में जाने का अभ्यास भी विद्यार्थी कर सकेंगे।

सेमिनार के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे सारे निबंध पढ़ें। हिन्दी गद्य का सौन्दर्य एवं विशेषताएं पहचानें और अपने अध्यापक के निर्देशन में सेमिस्टर की परीक्षा के लिए सुवाच्य अक्षरों में अपने आलेख तैयार करें। अपने वर्ग के दौरान विद्यार्थी निबंधों को ठीक से पढ़ना भी सीखें। इससे उनकी पाठ्य-प्रस्तुति में सुधार होगा तथा इससे संबंधित आजीविका प्राप्त करने का उनका कौशल बढ़ेगा। आंतरिक परीक्षा में 2500 शब्दों का आलेख तैयार करें। साथ ही वाचिक प्रस्तुति भी दें।

➤ सेमिनार के परीक्षण के मापदंड इस प्रकार होंगे

1-कथ्य 2- प्रस्तुति 3-भाषा -कौशल 4- स्वतंत्र चिंतन 5.मौखिकी

SEMESTER - II

HIN407 - हिन्दी भाषा: स्वरूप और विकास (4क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable the students to

1. Impart information about Hindi Language and Language construction

B - Outcome of the Course

1. Knowledge of the history of Hindi Language and its formation

यूनिट - 1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- भारतीय आर्य भाषाएं(प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक)
- खड़ीबोली (हिन्दी) का उद्भव और विकास
- हिन्दी के विविध रूप-हिन्दुस्तानी, बोलचाल की हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी

यूनिट - 2 हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र:

- हिन्दी की उपभाषाएं
- हिन्दी की बोलियाँ और उनका क्षेत्र

यूनिट - 3 हिन्दी का भाषिक स्वरूप

- हिन्दी की स्वन व्यवस्था
- हिन्दी की रूपरचना - (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण)
- हिन्दी की वाक्य संरचना- (वाक्य की समर्थता, पदबंध, वाक्य-विन्यास, पदक्रम अन्वय)

यूनिट - 4 हिन्दी की शब्द रचना एवं शब्द संपदा

- हिन्दी की शब्द रचना- मूल, यौगिक, योगरूढ
- शब्द रचना की विविध रीतियाँ
 - उपसर्ग-प्रत्यय लगाकर
 - संधि
 - समास
 - क्रिया, संज्ञा और विशेषण रूप बनाना
- शब्द-संपदा
 - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, लोकभातरी प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
4. हिन्दी भाषा और लिपि, डॉ. धीरेन्द्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

HIN408 - काव्यशास्त्र (समीक्षा संबंधी विविध वाद)(4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

This course will enable the students

1. Developing the analytical quality of mind
2. Knowledge of critical traditions in languages
3. Knowledge of the Indian & Western mind through the critical thought and aesthetics

B - Outcome of the Course

1. Correct and wise usage of expression and
2. The skill of conceptualizing ideas
3. Tips on social behaviour

यूनिट - 1 स्वच्छन्दतावाद

- स्वरूप
- इतिहास
- विशेषताएं
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव/संबंध

यूनिट - 2 अस्तित्ववाद

- दार्शनिक आधार
- इतिहास
- विशेषताएं
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

यूनिट - 3 मार्क्सवाद

- दार्शनिक आधार
- इतिहास
- विशेषताएं
- हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

यूनिट - 4 विखंडनवाद एवं उत्तर- आधुनिक विमर्श

- आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता
- भाषायी रणनीति

- उत्तर आधुनिकता की विशेषताएं
➤ हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र: अधुनातन संदर्भ, डॉ. सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. उत्तर आधुनिकता और उदय प्रकाश का साहित्य –डॉ.सुरेश पटेल

HIN 409 - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास(4-क्रेडिट्स)

A – Objective

1. Knowing the Historical perspective of Hindi Prose and Fiction
2. Knowledge of the Social Systems prevailing in the society
3. Knowledge of the cultural traditions of the people of the country

B - Outcome of the Course

1. Skill of information collection
2. Development of right perspective towards society

यूनिट - 1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास(1947 - 1980)

- कथ्य एवं शिल्प के स्तर पर आए परिवर्तन
 - लघु उपन्यास और उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, आँचलिक उपन्यास, आधुनिकतावादी उपन्यास, प्रयोगवादी उपन्यास,
- प्रमुख उपन्यासकार एवं उनका प्रदान
 - अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, फणीश्वरनाथ रेणु, उपेंद्रनाथ अशक, निर्मल वर्मा, मन्नू भंडारी,
- प्रमुख उपन्यासों का परिचय
 - सूरज का सातवाँ घोड़ा(धर्मवीर भारती), राग दरबारी(श्रीलाल शुक्ल), अलग अलग वैतरणी (शिवप्रसाद सिंह) रतिनाथ की चाची (नागार्जुन)

यूनिट - 2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास(1980 - 2000)

- नारी विमर्श, दलित विमर्श, उत्तर-आधुनिकतावादी विमर्श (कथ्य एवं शिल्प के स्तर पर)
- प्रमुख उपन्यासकार एवं उनका प्रदान
- मनोहर श्याम जोशी, ऊषा प्रियंवदा, मैत्रेयी पुष्पा, कमलेश्वर,
- प्रमुख उपन्यास
 - अपने अपने राम(भगवान सिंह), कलिकथा: वाया बायपास(अलका सरावगी), छप्पर(जयप्रकाश कर्दम), आवाँ(चित्रा मुद्गल), मुझे चाँद चाहिए(सुरेन्द्र वर्मा),

यूनिट - 3 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी (1947 - 2000)

- विविध कहानी आंदोलन
- हिन्दी कहानी में नारी विमर्श और दलित विमर्श
- प्रमुख कहानीकार:
 - जैनेन्द्रकुमार, यशपाल, शिवप्रसाद सिंह, मन्नू भंडारी, मोहन राकेश, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, स्वयं प्रकाश
- प्रमुख स्त्री कहानीकार एवं दलित कहानीकार:
 - उषा प्रियंवदा, कृष्णा सोबती, मृदुला गर्ग, मृणाल पांडे, , ओमप्रकाश वाल्मिकी, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाँकभोरे, सूरजपाल चौहान

यूनिट - 4 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध (1947 - 2000)

- 1947 - 2000 तक के निबंधों का विकासत्मक अध्ययन (हिन्दी निबंध के विभिन्न मोड़)
- प्रमुख निबंधकार एवं उनका प्रदान (1947 - 1980)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, डॉ. नगेन्द्र
- प्रमुख निबंधकार एवं उनका प्रदान(1980 - 2000)
 - विवेकी राय, कुबेरनाथराय, विद्यानिवास मिश्र, शरद जोशी,

संदर्भ ग्रंथ

1. उपन्यास स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवाडेकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास, रामदरश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कहानी-स्वरूप और संवेदनाएं, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
6. छप्पर-जयप्रकाश कर्दम, संगीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994
7. मुक्तिपर्व मोहनदास नैमिशराय, अनुराग प्रकाशन, दिल्ली 1999
8. उपेंद्रनाथ अशक के उपन्यासों का अनुशीलन ,डॉ.जयंतिलाल पटेल

HIN410EA - स्वरूप आधारित हिन्दी गद्य(4-क्रेडिट्स)

लघु उपन्यास

A - Objectives

1. Knowledge of Hindi thought process and different prose forms.
2. To create social understanding and knowledge of human behaviour.
3. Enjoying the pleasure of language usage

4. B - Outcome

1. Learning Hindi prose forms will prove instrumental in creating a better society

यूनिट - 1 हिन्दी लघु उपन्यास का स्वरूप एवं विशेषताएं

- उपन्यास एवं लघु उपन्यास में स्वरूपगत अंतर
- प्रमुख लघु उपन्यासकारों का परिचय
- लघु उपन्यास का स्वरूप, लक्षण एवं विशेषताएं

यूनिट - 2 अपने अपने अजनबी- अज्ञेय

- रचनाकार का परिचय
- अपने अपने अजनबी उपन्यास में दार्शनिक चिंतन
- लघु उपन्यास के रूप से अध्ययन एवं अनुशीलन

यूनिट - 3 दौड़ - ममता कालिया

- रचनाकार का परिचय
- दौड़ उपन्यास में युगबोध तथा सामाजिकता का नया रूप
- लघु उपन्यास के स्वरूप की दृष्टि से अध्ययन

यूनिट - 4 समरूप अध्ययन

- अपने अपने अजनबी एवं दौड़ उपन्यास की संरचना
- भाषा-प्रयोग
- कथा-शिल्प का अध्ययन

पाठ्य ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ

अपने अपने अजनबी, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

दौड़, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

भूमंडलीकरण और उपभोक्तावाद का यथार्थ दस्तावेज: दौड़ - डॉ.देव्यानी महिडा

HIN410EB - युग आधारित हिन्दी गद्य(4-क्रेडिट्स)

प्रगतिवादी कथा साहित्य

A - Objectives

1. Knowledge of the thought process prevalent in different ages of Hindi literature
2. To create social understanding and knowledge of human behaviour.
3. Enjoying the pleasure of language usage

B - Outcome

1. Create a better society.

यूनिट - 1

- हिन्दी के प्रगतिवादी कथा साहित्य का परिचय
- हिन्दी के प्रगतिवादी कथा रचनाकारों का परिचय
- हिन्दी के प्रमुख प्रगतिवादी उपन्यासों का परिचय

यूनिट - 2 मुर्दों का टीला- रांगेय राघव

- रांगेय राघव परिचय
- मुर्दों का टीला के कथानक की समीक्षा
- मुर्दों का टीला में हडप्पाकालीन सभ्यता और संस्कृति
- मुर्दों का टीला में आधुनिकताबोध

यूनिट - 3 सती मैया का चोरा- भैरवप्रसाद गुप्त

- भैरवप्रसाद गुप्त का परिचय
- सती मैया का चोरा की कथानक की समीक्षा
- सती मैया का चोरा में समस्या
- सती मैया का चोरा प्रगतिबोध

यूनिट - 4

- प्रगतिवादी साहित्य में रांगेय राघव और भैरवप्रसाद गुप्त का योगदान

पाठ्य एवं संदर्भ ग्रंथ

- 1' प्रगतिवाद : एक समीक्षा, डॉ. धर्मवीर भरती, साहित्य मंडल, प्रयाग
2. प्रगतिवाद की रूपरेखा ,मन्मथनाथ गुप्त, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
3. रांगेय राघव : साहित्य और व्यक्तित्व, सं. अमरनाथ. हिन्दी प्रकाशन, जैनपुर
4. डॉ. रांगेय राघव और उनके उपन्यास , डॉ. लाल सहब सिंह , अनुपमा प्रकाशन, बम्बई
5. भैरवप्रसाद गुप्त के उपन्यासों में सामाजिक चेतना, कुमारी प्रिया अंबिका , संतोष प्रकाशन, दिल्ली
6. भैरवप्रसाद गुप्त व्यक्ति एवं रचनाकार, सं. विधाधर शुक्ल, प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद

HIN411EA - स्वरूप आधारित हिन्दी पद्य(4-क्रेडिट्स)

खंड काव्य

A - Objectives

2. Knowledge of Hindi thought process and different prose forms.
3. To create social understanding and knowledge of human behaviour.
4. Enjoying the pleasure of language usage

B - Outcome

1. Learning Hindi prose forms will prove instrumental in creating a better society.

यूनिट - 1 खंड काव्य की सैद्धांतिक भूमिका

- खंडकाव्य का स्वरूप एवं लक्षण
- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी खंड काव्यों का परिचय
- कुँवरनारायण एवं जगदीश चतुर्वेदी का परिचय

यूनिट - 2 आत्मजयी

- संवेदना
- भाषा-सौन्दर्य
- आत्मजयी की दार्शनिकता
- स्वरूपगत अध्ययन

यूनिट - 3 सूर्यपुत्र

- संवेदना
- भाषा सौन्दर्य
- सामाजिक बोध
- स्वरूपगत अध्ययन

यूनिट - 4 आत्मजयी एवं सूर्य पुत्र

- मिथक एवं समकालीनता का अर्थ एवं स्वरूप
- आत्मजयी एवं सूर्य पुत्र में मिथकत्व
- आत्मजयी एवं सूर्य पुत्र में समकालीनता

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक कविता और मिथक, गर्ग पुष्पा, संजय प्रकाशन, दिल्ली
2. मिथक और साहित्य, नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी नाटक और मिथक, डॉ. सुरेश पटेल, अभय प्रकाशन, कानपुर

HIN 411EB युग आधारित हिन्दी पद्य(4-क्रेडिट्स)

प्रगतिवादी कविता

A - Objectives

- 1 Knowledge of Hindi sensibility in different ages of Hindi Literature.
- 2 To learn the rhythm of language

B - Outcome

- 1-Instrumental in creating a better individual

यूनिट - 1 प्रगतिवाद स्वरूप एवं लक्षण

- प्रगतिवाद युगबोध (राजनैतिक एवं साहित्यिक परिवेश)
- प्रगतिवाद के लक्षण
- प्रगतिवाद के प्रमुख कवि

यूनिट - 2 प्रगतिवादी सौन्दर्य शास्त्र

- एतिहासिक भौतिकवाद
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद
- वर्गगत समाज
- कला और समाज का संबंध

यूनिट - 3 युग की गंगा - केदारनाथ अग्रवाल

- केदारनाथ अग्रवाल का साहित्यिक परिचय

-केदारनाथ की कविताओं की संवेदना

-प्रगतिवादी सौन्दर्य शास्त्र की दृष्टि से केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं का मूल्यांकन

यूनिट - 4 युगधारा - नागार्जुन

-नागार्जुन का साहित्यिक परिचय

- नागार्जुन की कविताओं की संवेदना

-प्रगतिवादी सौन्दर्य शास्त्र की दृष्टि से नागार्जुन की कविताओं का मूल्यांकन

पाठ्य ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ

1. युग की गंगा - केदारनाथ अग्रवाल
2. युगधारा - नागार्जुन
3. हिन्दी की प्रगतिशील कविता का स्वरूप और प्रतिमान -मृत्युंजय - समर प्रकाशन ,मथुरा
4. नागार्जुन की कविता में व्यंग्य-डॉ.अजयकुमार ,अकादमिक एक्सलेस,दिल्ली
5. प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल,डॉ. रामविलास शर्मा,परिमल प्रकाशन,इलाहाबाद
6. आस्था के कवि केदारनाथ अग्रवाल - सं.प्रकाश त्रिपाठी,वचन पब्लिकेशन,इलाहाबाद

HIN 412 - SEMINAR (4- क्रेडिट्स)

Objectives and Outcome

1. To initiate poetry appreciation and art of poetry analysis.

इस कोर्स में हिन्दी मध्यकाल के कवि और उनकी रचनाओं का वर्ष दौरान अध्यापक द्वारा अध्ययन कराया जाए। आन्तरिक परीक्षा के लिए 2500 शब्दों का आलेख जमा करना होगा। वर्ष दौरान किये गए अभ्यास एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन (30 अंक का) होगा। वर्षान्त मूल्यांकन के लिए कम-से- कम 5000 शब्दों में आलेख जमा करवाया जाए। वार्षिक मूल्यांकन 70 अंक का होगा। बाह्य प्रस्तुतिकरण के लिए किसी दो कवि अथवा उनकी दो रचना पर सेमिनार पेपर देना होगा।

सूरदास - तुलसीदास - मीराबाई - नंददास

रहीम - कबीर - गुरु नानकदेव - मलूकदास

जायसी - रसखान - घनानंद - बिहारी

मूल्यांकन के आधार (आंतरिक एवं बाह्य दोनों के लिए)

- 1- कथ्य
- 2- प्रस्तुति
- 3- भाषा
- 4- स्वतंत्र चिंतन
- 5 मौखिकी

SEMESTER - III

HINDI 501 - हिन्दीतर प्रांतों का हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं रचना (4- क्रेडिट्स)

(गुजराती)

A - Objectives

Gujarat has a close linguistic and cultural link with Hindi. This course will enable the students to have information and knowledge of Hindi Literature written in Gujarat since medieval times.

B - Outcome of the Course

It will strengthen the cultural ties and develop the feeling of belongingness in the students.

Students will have the practical experience of the importance of the National Language Hindi.

यूनिट - 1 गुजरात में लिखा हिन्दी का मध्यकालीन साहित्य

- वैष्णव भक्ति काव्य-धारा
 - संप्रदाय मुक्त एवं संप्रदाय बद्ध काव्य धारा
- संत काव्य धारा
 - दादूदयाल एवं अखाजी की काव्यधारा
 - स्वामीनारायण काव्य परंपरा

यूनिट - 2 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(पद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता का इतिहास

यूनिट - 3 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(गद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का इतिहास

यूनिट - 4 गुजरात में लिखा हिन्दी स्वातंत्र्योत्तर का साहित्य(गद्य)

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी का इतिहास

संदर्भ ग्रंथ

1. गुजरात के हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमण पाठक, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. गुजरात का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य, भगवत शरण अग्रवाल, हिन्दी साहित्य अकादमी, गाँधीनगर
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य- गुजरात, सं-रधुनाथ भट्ट, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद
4. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, सं-रघुवीर चौधरी, वाचिकम् हिन्दी विभाग, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
5. गुजरात का समकालीन हिन्दी साहित्य, सं-डॉ. अंबाशंकर नागर, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद

HIN502 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र (4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

This Course will help

- 1- To teach fine intricacies of poetry prevalent in Indian and Western Criticism

B - Outcome of the Course

- 1- Students will develop insight for understanding and analyzing poetry.

यूनिट - 1

- पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की विकासरेखा एवं लक्षण
- प्लेटो के काव्य संबंधी विचार : काव्य सत्य, काव्य सृजन का दैवी प्रेरणा सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू के काव्य संबंधी विचार : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

यूनिट - 2

- जॉन ड्राइडन के काव्य संबंधी विचार : काव्य सिद्धांत, कल्पना सिद्धांत
- टी एस इलियट के काव्य संबंधी विचार: कल्पना सिद्धांत, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

यूनिट-3

- सैम्युअल टेल कॉलरिज के काव्य संबंधी विचार : कल्पना सिद्धांत
- विलियम वर्ड्सवर्थ के काव्य संबंधी विचार : भाषा सिद्धांत

यूनिट-4

- आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य संबंधी विचार: मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत, व्यावहारिक आलोचना
- होरेस का औचित्य सिद्धांत
- क्रोचे का अभिव्यंजना सिद्धांत

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी काव्यशास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उनकी विकास परंपरा, डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन संदर्भ, डॉ सत्यदेव मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. सर्जन और भाषिक संरचना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कॉलरिज और उनका साहित्यशास्त्र, डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

HIN503 - प्रयोजन मूलक हिन्दी(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. To train the students to use correct language usages
2. To train students for job opportunities.
3. Combining the traditional knowledge with modern system and techniques

B - Outcome of the Course

1. Develop technical know-how
2. Skill acquired for implementing the use of Language in varied forms and manners

यूनिट - 1 कामकाजी हिन्दी

- हिन्दी के विभिन्न रूप-
 - सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
- पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व,

यूनिट - 2 हिन्दी-कंप्यूटिंग

- हिन्दी कंप्यूटिंग की प्राथमिक जानकारी
- यूनिकोड
- इण्टरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
- हिन्दी ब्लॉग-निर्माण का इतिहास
- पावर- पॉइन्ट प्रेजेंटेशन तथा एक्सेल का परिचय

यूनिट - 3 दृश्य-माध्यम सिनेमा, फिल्म, टेलीविज़न

- दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
- पटकथा लेखन, टेली -ड्रामा, डॉक्यू-ड्रामा
- दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य

यूनिट - 4 श्रव्य-माध्यम रेडियो

- श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति
- रेडियो नाटक
- समाचार लेखन
- फीचर तथा रिपोतार्ज

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिन्दी, कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
3. फिचर लेखन- स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. इलोकट्रानिक मीडिया, सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ. रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

6. जनसंचार विविध आयाम, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. व्यावहारिक हिन्दी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. दृश्य-श्रव्य एवं संचार माध्यम, डॉ कृष्णकुमार रत्नू, राजस्तान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
10. हिंदी ब्लॉगिंग अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति : संपादक अविनाश वाचस्पति और रवीन्द्र प्रभात मूल्य : 495/- (डाक खर्च अलग से) (प्रकाशक हिंदी साहित्य : निकेतन, 16, साहित्य विहार, बिजनौर (.प्र.ऊ) 246701

HIN504EA - दलित विमर्श (4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. Study of post-modern literary trends.
2. Knowledge about marginal issues.

B - Outcome of the Course

1. Widening of cultural area of understanding.
2. Expansion of Sensibilities.

यूनिट - 1 दलित विमर्श

- दलित साहित्य की पृष्ठभूमि,
- दलित साहित्य के प्रेरणा स्रोत,
- दलित साहित्य का स्वरूप

यूनिट - 2 भारतीय दलित साहित्य हिन्दी दलित साहित्य

यूनिट - 3 शिकंजे का का दर्द -सुशीला टाकभौरे

- सुशीला टाकभौरे का परिचय
- शिकंजे का का दर्द - में दलित विमर्श
- शिकंजे का का दर्द के नामकरण की यथार्थता

यूनिट - 4 जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि

- ओमप्रकाश वाल्मीकि का परिचय
- जूठन - दलित जीवन का दस्तावेज
- जूठन के नामकरण की यथार्थता

संदर्भ ग्रंथ

1. शिकंजे का का दर्द- सुशीला टाकभौरे, प्र.सं.शिल्पायन, नई दिल्ली
2. जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक साहित्य में दलित चेतना, सं-देवेन्द्र चौबे, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
4. दलित साहित्य- स्वरूप और संवेदना, सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन गाजियाबाद
5. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज, ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली

6. दलित केंद्रित हिन्दी उपन्यास, डॉ.दिलीप मेहरा अभय प्रकाशन ,कानपुर
7. दलित चेतना और स्त्री, सं- विजय कुमार संदेश, डॉ. नामदेव, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
8. दलित सौन्दर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मिकि, राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली

IN504EB - महिला लेखन(4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

- 1- Study of post-modern literary trends.
- 2- Knowledge about marginal issues.

B - Outcome of the Course

- 1- Widening of social and cultural areas of understanding.
- 2- Expansion of traditional sensibilities.

यूनिट - 1 नारीवादी साहित्य

- नारीवादी साहित्य स्वरूप एवं अवधारणा
- चेतना, विमर्श, वाद, महिला लेखन

यूनिट - 2 हिन्दी महिला लेखन का इतिहास

- स्वतंत्रता पूर्व महिला लेखन
- स्वातंत्र्योत्तर लेखन लेखन

यूनिट - 3 मधु कांकरिया (पत्ताखोर)

- विश्लेषणात्मक अध्ययन

यूनिट - 4 राजी सेठ (निष्कवच)

- नारीवादी अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली
2. श्रृंखला की कडियाँ, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नारीवाद राजनीति, संघर्ष और मुद्दे, (सं)साधना आर्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. आधुनिक कथा साहित्य में नारी- स्वरूप और प्रतिमा, सं-डॉ उमा शुक्ल, डॉ.माधुरी छेड़ा,अरविन्द प्रकाशन बंबई
5. भारतीय नारी-कल आज और कल, सरोज गुप्ता, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

HIN505EA - तुलनात्मक साहित्य* (4-क्रेडिट्स)

A - Objectives of the Course

1. To develop the literary understanding of different literatures.
2. To broaden and sharpen the critical faculty.

B - Outcome of the Course

1. Will Understanding Literature in cultural contexts.

यूनिट - 1 तुलनात्मक साहित्य : परिचय

- अवधारणा, अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप
- तुलनात्मकता के क्षेत्र
- तुलनात्मक साहित्य का महत्व, प्रविधि एवं प्रासंगिकता

यूनिट - 2 कम्ब रामायण (अयोध्या कांड)

- कथा , वस्तु , महत्व

यूनिट - 3 रामचरितमानस (अयोध्या कांड)

- कथा , वस्तु , महत्व

यूनिट - 4 कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

- कथा की दृष्टि से
- वस्तु की दृष्टि से
- महत्व की दृष्टि से

*(किसी एक साहित्यिक स्वरूप का तुलनात्मक अध्ययन)

जयशंकर प्रसाद का चंद्रगुप्त

अंधायुग धर्मवीर भारती

अखा , कबीर

संदर्भ ग्रंथ

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका- इन्द्रनाथ चौधुरी
2. तुलनात्मक साहित्य-संपादक- डॉ.नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य- महावीरसिंह चौहान
4. Comparative Literature, Master and Method, A Owen Aldridge, Urbana
5. Comparative Literature, Theory and Practice, Editor- Amiya Dev, Sisirkumar

6. तुलनात्मक अध्ययन- निकष एवं निरूपण, प्रो.आई.एन. चंद्रशेकर रेड्डी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
7. तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद, प्रो. बी.वाय ललितांबा, अविराम प्रकाशन, दिल्ली

HIN505EB - हिन्दी का आदिवासी साहित्य (4 क्रेडिट्स)

A - Objectives

Study of post-modern literary trends.
Knowledge about marginal issues.

B - Outcome of the Course

Widening of cultural area of understanding.
Expansion of Sensibilities.

यूनिट - 1 .हिन्दी का आदिवासी साहित्य

आदिवासी साहित्य : अर्थ,परिभाषा ,स्वरूप

आदिवासी साहित्य की साहित्यिक विशेषताएं

आदिवासी साहित्य :उद्भव और विकास

यूनिट - 2 हरिराम मीणा का व्यक्तित्व -कृतित्व

'धूणी तपे तीर ' उपन्यास का कथानक

यूनिट - 3 धूणी तपे तीर उपन्यास में व्यक्त गोविंदगुरु की सामाजिक चेतना

'धूणी तपे तीर उपन्यास की समसामायिकता

उपन्यास कला के आधार पर 'धूणी तपे तीर' उपन्यास का मूल्यांकन

यूनिट - 4 मंगलसिंह मुण्डा का व्यक्तित्व -कृतित्व

'छैला सन्दु' उपन्यास का कथानक

'छैला सन्दु' उपन्यास की समसामायिकता

उपन्यास कला के आधार पर छैला सन्दु उपन्यास का मूल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ

1. धूणी तपे तीर ,हरिराम मीणा,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
- 2.छैला सन्दु ,मंगलसिंह मुण्डा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
- 3.आदिवासी एवं उपेक्षित जन,डॉ.भीमराव पिंगले,विकास प्रकाशन ,कानपुर
4. मीणा जनजाति एक परिचय,लक्ष्मीनारायन मीणा,मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी,भोपाल
- 5.उपन्यास का आंचलिकता वतायन,डॉ.रामपत यादव,चिंतन प्रकाशन ,कानपुर
- 6.आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी,सं.रमणिका गुप्ता,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
- 7.मुण्डा आदिवासियों की भाषाएं और संस्कृति,डॉ.रुपांशु माला,जयभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

HIN506S - (4 क्रेडिट्स)

A - Objective of the Course.

To encourage students in professional and critical writing

B - Outcome of the Course

Students will be able to apply the theoretical knowledge learnt during the semester.

प्रेमचंद - फणीश्वरनाथ रेणु- जैनेन्द्र- भगवती चरण वर्मा -यशपाल - अमृतलाल नागर -निर्मल वर्मा-
भीष्म साहनी - राजेंद्र यादव - मन्नू भंडारी - जय शंकर प्रसाद - कमलेश्वर- धर्मवीर भारती - सुरेंद्र वर्मा -
उपेन्द्रनाथ अशक (उपन्यासकार और उनके उपन्यास)

सूचना :

विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अपनी रुचि के अनुसार उपरोक्त में से उपन्यासकार और उनके उपन्यास चुन सकता है। मध्य-सेमिस्टर परीक्षा के लिए 2500 शब्दों का आलेख जमा करना होगा। वर्षान्त में कम-कम 5000 शब्दों में आलेख जमा करवाया जाए। । वर्ष दौरान किये गए अभ्यास एवं वर्षान्त में किए हुए प्रस्तुतिकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन (30 अंक का) होगा। बाह्य प्रस्तुतिकरण के लिए किसी दो उपन्यासकार अथवा उनके दो उपन्यास पर सेमिनार पेपर देना होगा। सेमिनार के परीक्षण के मापदंड इस प्रकार होंगे

1-कथ्य 2- प्रस्तुति 3-भाषा -कौशल 4- स्वतंत्र चिंतन 5 मौखिकी

SEMESTER - IV

HIN507 - हिन्दी भाषा प्रशिक्षण एवं कोश विज्ञान (4-क्रेडिट्स)

A - Objectives

1-Gujarat is a Non-Hindi speaking State.

2-Impart proper training to the students regarding the different uses of Hindi Language.

B - Outcome of the Course

1-Students will learn to use language in different formats

यूनिट - 1 विभिन्न प्रकार के भाषा पाठों का अध्ययन

- सिद्धांत और अनुप्रयोग-पाठ विश्लेषण की प्रक्रिया-रूप, पद, वाक्य, वाक्य प्रोक्ति
- भाषा पाठ-संरचना: वाक्य तथा अर्थ
(प्रथम रश्मि, नौका विहार तथा वह बुड्ढा)

यूनिट - 2 व्यतिरेकी भाषा प्रशिक्षण (गुजराती तथा हिन्दी)

- गुजराती की विभक्तियां
- हिन्दी की विभक्तियाँ
- गुजराती के लिंग
- हिन्दी के लिंग

यूनिट - 3 निबंध लेखन *

- निबंध की भाषा
- निबंध की शैली
- विभिन्न प्रकार के निबंधों में प्रयुक्त भाषा का पाठ
- निबंध लेखन

यूनिट - 4 कोश- निर्माण

- विभिन्न प्रकार के कोशों का परिचय, महत्व एवं उपयोगिता
- हिन्दी कोशों का परिचय
- कोश निर्माण के सिद्धांत
- कोश निर्माण में आने वाली बाधाएं

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा शिक्षण:सिद्धांत एवं प्रविधि, मनोरमा गुप्ता, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
3. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग,(चार भाग)रमेश चंद्र मेहरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी तथा गुजराती का तुलनात्मक व्याकरण विचार,साहित्य संकुल संस्थान, साहित्य संगम प्रकाशन, सूरत
5. सरल हिन्दी,यासमीन सुल्तान नकवी,किताब महल,इलाहाबाद

A - Objectives

- 1- To teach how to systemize knowledge.

B - Outcome of the Course

- 1- Develop scientific attitude

यूनिट - 1 शोध की परिभाषा स्वरूप एवं महत्व

- शोध का अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति,
- शोध के तत्व
- शोध और समीक्षा
- शोध का उद्देश्य एवं महत्व

यूनिट - 2 शोध के प्रकार

- साहित्यिक शोध
- तुलनात्मक शोध
- ऐतिहासिक शोध
- भाषा वैज्ञानिक शोध
 - शैली वैज्ञानिक शोध
 - समाज भाषा वैज्ञानिक शोध
 - मनोभाषा वैज्ञानिक शोध
- अन्तर्विद्याकीयशोध
 - साहित्य का समाज शास्त्रीय शोध
 - साहित्य का मनोवैज्ञानिक शोध

यूनिट - 3 शोध के उपकरण प्रक्रिया एवं प्रविधि

- पुस्तकालय, अन्तर्जाल
- शोध प्रक्रिया
 - चयन, संकलन, निर्माण, प्रकार, संदर्भ, सूची अवतरण, निर्देश आदि
- शोध प्रविधि
 - आलोचनात्मक प्रविधि
 - वैज्ञानिक प्रविधि
 - भाषिक अनुसंधान प्रविधि
 - शब्द-कोश निर्माण की प्रविधि

यूनिट - 4 शोध-पत्र

- शोध-पत्र लेखन - प्रक्रिया एवं प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ

- 1- साहित्यिक अनुसंधान के आयाम, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- 2- शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली
- 3- अनुसंधान- स्वरूप एवं प्रविधि, डॉ. रामगोपाल शर्मा दिनेश, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- 4- अनुसंधान की प्रक्रिया-डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ विजयेन्द्र सनातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- 5- आधुनिक शोध-पद्धति, डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
- 6- शोध-प्रविधि, डॉ विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

HIN509 - अनुवाद अध्ययन(4- क्रेडिट्स)

A - Objectives of the Course

- 1- To train the students in the Art of Translation
- 2- Keep the students abreast of the present day situations

B - Outcome of the Course

- 1- Easy Placement
- 2- Make them self dependant

यूनिट - 1 सामान्य जानकारी

- अनुवाद - परिभाषा, स्वरूप , महत्व , प्रकार , अनुवाद-प्रक्रिया

यूनिट - 2

- अनुवाद और राजभाषा

यूनिट - 3 साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद

- काव्य, नाटक, कथा, निबंध
- समाज-शास्त्रीय, वैज्ञानिक, पत्रकारिता, विधि

यूनिट - 4

- अनुवाद में उत्तर-आधुनिकता

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. अनुवाद कला, डॉ. एन ई विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ, रवीन्द्रनाथ श्रीवस्तव, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद साधना, पूरनचंद टंडन, अभिव्यक्ति प्रकाशन दिल्ली
5. राजभाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका, डॉ गार्गी गुप्त,, डॉ. पूरनचंद टंडन,, भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली
6. अनुवाद का नया चेहरा, डॉ, कृष्ण कुमार रत्नू, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

HIN510 - विशिष्ट साहित्यकार - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (4- क्रेडिट्स)

A - Objective of the Course

- 1-To teach how to study an author in totality

B - Outcome of the Course

- 1-Will learn the technique of studying a particular Author
- 2-Learn to assess a person in totality.

यूनिट - 1 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का साहित्य प्रदान

- संक्षिप्त जीवन परिचय
- युगीन पृष्ठभूमि
- कृतित्व

यूनिट - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविता

छायावाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविता

निराला की काव्य यात्रा

- निराला की काव्यगत विशेषताएं

यूनिट - 3 निराला की पाँच कविताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

सरोज स्मृति, कुरुरमुत्ता , तोडती पत्थर , राम की शक्तिपूजा , जागो फिर एक बार

यूनिट - 4 निराला का साहित्य चिंतन एवं समीक्षा दृष्टि

- निराला साहित्य की प्रेरक परिस्थितियाँ
- निराला के साहित्य चिंतन की दिशा
- निराला का निबंध साहित्य

संदर्भ पुस्तकें

1. निराला रचनावली- , नंद किशोर नवल राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. निराला की साहित्य साधना , रामविलास शर्मा, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
3. निराला काव्य की छवियाँ, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. छायावाद , नामवरसिंह , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. साहित्य खण्ड निराला ,राजकुमार सैनी , वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली

HIN511- हिन्दी रंगमंच(4- क्रेडिट्स)

A - Objectives

1. Knowledge of traditional methods of presentation

2. Knowledge of social ills
3. Protecting cultural values

B - Outcome of the course

1. Confidence to face the problems of society
2. Confidence in handling human behavior

यूनिट - 1 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

- हिन्दी रंगमंच का परिचय और विकास
- हिन्दी नाटक का विकास
- हिन्दी रंगमंच तथा नाटक : भेद एवं विशेषताएँ

यूनिट - 2 अँधेर नगरी

- कथ्य की दृष्टि से अध्ययन
- रंगमंच की दृष्टि से अध्ययन

यूनिट - 3 अंधा युग

- कथ्य की दृष्टि से अध्ययन
- रंगमंच की दृष्टि से अध्ययन

यूनिट - 4 चरित्र चित्रण / संदेश

- अँधेर नगरी में चरित्र चित्रण
- अंधा युग में चरित्र चित्रण
- अँधेर नगरी का संदेश
- अंधा युग का संदेश

संदर्भ ग्रंथ

1. अंधा युग ,धर्मवीर भारती संजय बुक सेंटर, वाराणसी
2. अँधेर नगरी,भारतेंदु हरिश्चंद्र , वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा
4. रंगदर्शन, नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी प्रतीक नाटक, रमेश गौतम, नाचिकेत प्रकाशन, दिल्ली
6. अंधा युग- पाठप्रदर्शन, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी नाटक विविध परिदृश्य,सं.डॉ.सुरेश पटेल और डॉ.देव्यानीमहिडा,रविना प्रकाशन ,दिल्ली

HIN512 - PT (4 क्रेडिट्स)

A - Objective

1. To encourage and train the students to handle self expression.

B - Outcome of the Course

1. Help the students to prepare for job possibilities.

प्रोजेक्ट वर्क

प्रस्तुत विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करना होगा।

- शोध-पत्र लेखन टंकित 20-25 पृष्ठ
- रूपांतर (कहानी से नाटक,) टंकित 15 पृष्ठ
- स्क्रिप्ट-लेखन टंकित 15 पृष्ठ
(श्रव्य अथवा दृश्य माध्यम के लिए कहानी, एकांकी, निबंध स्वरूपों का स्क्रिप्ट लेखन)
- अनुवाद टंकित 15 पृष्ठ
(गुजराती कहानी, एकांकी, निबंध का हिन्दी में अनुवाद)

विशेष सूचनाएं

- प्रोजेक्ट अनिवार्य रूप से कंप्यूटरीकृत होना चाहिए।
- शोध पत्र लेखन, रूपांतर एवं स्क्रिप्ट लेखन में प्रविधि का पालन करना अनिवार्य है।

=====

एम.ए. (हिन्दी) के चारों सेमिस्टर के लिए

❖ परीक्षा एवं परीक्षण संबंधी सामान्य सूचनाएं

कोर्स 401 से 511 तक के सभी कोर्सेस में प्रत्येक यूनिट में से प्रश्न पूछा जाए।

दीर्घ प्रश्न 14 अंक का होगा तथा इसका शब्द विस्तार 600-700 शब्दों के बीच लिखा जा सकता है।

लघु प्रश्न 6 अंक का होगा जिसका शब्द विस्तार 150 शब्दों का रहेगा।

पाँचवाँ प्रश्न वस्तुगत प्रकार का होगा। इस प्रश्न में चारों यूनिट में से प्रश्न पूछे जाएंगे। ये प्रश्न बहुविकल्पीय, रिक्त स्थान भरें, जोड़ मिलाएं तथा सही गलत वाले होंगे। इस बात का ध्यान रखा जाए कि प्रश्न का एक ही सही उत्तर हो। कुल दस अंक के वस्तुगत प्रश्न पूछे जाने हैं, अतः उपरोक्त सभी प्रकारों को योग्य न्याय दे कर प्रश्न पूछे जाएं।

नोट - (1) 10 अंक के वस्तुगत प्रश्न उपरोक्त चारों यूनिट में से पूछे जाएं। सभी यूनिट में से प्रश्न पूछे जाने अनिवार्य है।

- (बहुविकल्पीय, सही - गलत, रिक्त स्थान, जोड़ बनाएं)

नोट- (2) 406, 412, 506 तथा 512 सेमिनार तथा प्रकल्प योजना (प्रोजेक्ट-वर्क) के कोर्सेस हैं।

M.A. HINDI SYLLABUS SGGU